central offiversity of flaryana

### NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: Amar Ujala Date: 03-05-2022

### डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिंदी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चनौती और भी सहज हो गई है और हम थोंडे से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय पौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान



हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत । संबाद

समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। कलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में

उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद जापन विश्वविद्यालय के कलानुशासक प्रो.प्रमोद कमार ने प्रस्तुत central childersity of that yand

NAAC Accredited 'A' Grade University

### **Public Relations Office**

### Workshop on 'Hindi Typing'

**Newspaper: Dainik Jagran** Date: 03-05-2022

# हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक : प्रो.टंकेश्वर कुमार

आइआइटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डा. राजीव रहे उपस्थित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ ववता को स्मृति चिहन प्रदान करते हुए कुलपति 🏻 सौ. हकेंवि

कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा का अमृत महोत्सव अभियान समिति

की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कलपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजधाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक

उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बदना होगा कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। डा. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कलानशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष. शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

central offiversity of flar yaria

## NAAC Accredited 'A' Grade University Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi Date: 03-05-2022

## हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी



महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। ये विचार विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्ति किए। उन्होंने कहा कि आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

central conversity or maryana

### NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: Punjab Kesari Date: 03-05-2022

# हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो. टंकेश्वर कुमार

### ह के वि. में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यराला का आयोजन

महद्रवन, 2 मई (परमजीत, मंक्रन): डिन्डी हमारी राजधाया है और इसके जिकास के लिए बेहद अहवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसाम हेत मिलकर प्रधास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराईल जैसे विकस्तित देशों को देखें हो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की ब्रुलेटियों की व्यमिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

धारत के संदर्भ में भी इसी सीच के साथ आने बढ़न होता और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकतीकी के सहारे यह चनीयो और भी सहज हो गई है और हम बोर्ड से ही प्रपास से अपने लक्ष्यें को प्राप्त कर सकते हैं। उक्त जिचार



ह.कें.कि. में आयंत्रिक कार्यासक में उपस्थित विशेषत वक्त को स्मृति विना प्रदान करते हुए कुलपति।

हरियाण। केंद्रीय विश्वविद्यालय आयोजन में विशेषज्ञ बक्ता के रूप (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ के कलपति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रो. उंकेश्वर कुमार ने सोमवार को (आई.आई.टो.), खडगपुर के वरिष्ठ विश्वविद्यालयं के एक्पाया अनुपाल, नगर राजभाषा कर्णान्वयन समिति (नराक्ता) व आजादी का अपन महोत्सव अभियान समिति द्वारा विन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला की संबंधित करते हुए ज्यक्त की।

हिन्दी अधिकारी हाँ, राजीय रायत उपस्थित छ।

कार्यकाला की शरूआत विव्यक्तिहालय के कुलगीत के साथ हुई।इसके पश्चात आलादी का अपूत महोत्सव अभियान समिति की नोइल

ऑफिसर वशिक्षापेट की अधिष्ठाता प्रो. सारिक्ट शर्मा ने विषय परिचय प्रसात किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विकाविद्यालय के कलपति प्रो. टंकेएचर कुमार व वियोधन क्षमत हों, सजीव स्वत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय क कलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यविद्या,

शंखार्थियां, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचरियों के लिए ब्रेस्ट उपयोगी

नार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. सजीव रावत ने डिन्डी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ क्रिन्दी की अपनाने पर जीर दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रयोग को सहाया देनेक शिए जिन्दी राष्ट्रपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

कार्पशाला में मंच संचालन विद्याविद्यालय के डिटर्ड अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद विस्त्रविद्यालय कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। औनलाइन व औपलाइन दोनों ही माध्यमी स अव्योजित इस कार्यशाला में चिभिन्न विधानों के विधानाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व विद्यागेतर कर्पचरियाँ चहित नगर राजधाया कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

ceritiai orniversity or maryama

### NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

**Newspaper: Punjab Kesari (Rewari)** Date: 03-05-2022

# हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हिन्दीहमारीराजभाषाहँ और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तस्ह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढऩा होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कलपति प्रो.टंकेश्वर कमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान



समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडरापुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव चुनौती और भी सहज हो गई है और रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तृत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव गवत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियाँ के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास हैं कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बदता होगा।

central offiversity of flat yand

### NAAC Accredited 'A' Grade University

### **Public Relations Office**

**Newspaper: Rashtriya Khabar** Date: 03-05-2022

### हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर कुमार

### आईआईटी खडगपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डों. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

राष्ट्रीय समह ब्यूरो

चंडीगद्द। हिन्दी राजरी राजनमा है और इसके विकास के लिए चेहद आधारक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रचार हेतु मिलकर प्रचारा करें। भारत पदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकस्तित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इस देखें ने किया तरह में अपने थापा के सहारे विकास की बुलेटचे को शासित किया है और अपने एक अलग पाचान स्वापित को है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बदना होगा और इसके निय दिन्ही थाना के प्रति स्वीकार्यना का भाव केंद्र जरूरी है। आज के समय में तकतीकों के सहारे यह चुनीती और भी सहज हो गई है और हम बोदें, से ही प्रयस से अपने लक्ष्मों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केट्रीय विश्वविद्यालय (इकेबि), मारेडण्ड के कुलपति प्रो.रंकेश्वर कृत्यर ने सोमवार को विश्वविद्यालयं के राजभाषा अनुभाग,



नगर राजधाया कार्यान्ययन समिति (नगक्स) प आजादे का अमृत प्रशंसाय अभियान सर्वित द्वारा हिन्दी राष्ट्रपित पर बेर्डिन बार्यशाल को रांबेधित करते हुए ज्यक्त की। इस आयोजन में विशेषत वक्ता के रूप में भारतीय प्रीद्योगिको संस्थान (आईआईटै), खड़गपुर के वरिष्ठ तिन्दी अधिकारी जी, राजीव राजत उपस्थित रहे । कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चन आनार्थ का अपन महोत्सव अधियान समिति की नोहता ध्रे.सरिधर प्रार्थ ने विषय परिचय प्रानुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षम कर से विकासियालय के कालपीत प्रो.एकेशवर कुम्बर व पिलेपत वस्ता हों. राजीय रायत कर स्वापत किया। विश्वविद्यालय के कलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनी को विद्यार्थियों, कर्मचरियों के लिए बेहद उपयोगी बन्द्राच और बता कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के इसारी भाषा है और इसे धीन, जर्मनी, उपस्थित रहे।

ऑफिसर व लिख पीट की ऑफस्टल - प्रयोग को बल मिलेग । कलपति ने अपने मंद्योपन में राजबाध हिंदी के क्रियान्त्रपन और उसके त्यानहरिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलाचे को महत्त्वपूर्ण बलपा और बरा कि हमें इन्हें अपनाकर आने बदना होगाः कार्यसाला में विषय विशोधन के रूप में एक्सिक थी. रातीय गठन ने हिन्दी का उपयोग शोधार्थियो, शिक्षको च शिक्षणेतर करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्हों

### इकेदि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाम का हुआ आयोजन

रूम मैसे देशों में बाफ प्रेम को बोखने की जनगत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दीं की महत्ता के साथ -साथ इसके प्रथमेंग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणी में प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रयने प्रशिक्षण के दौरान थाँ, राजीय राधन ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाज देने के रिनर हिन्दी राष्ट्रपिंग के विकिन्न विकल्पों की भी जनकारी दी। कार्यशाला में मंच का संधानन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी को शैलेंद्र सिंह ने किया जबीब धन्यवाद आपन विश्वविद्यालय के कुलानुसासक प्रो,प्रमोद कमार ने प्रस्तुत किया: श्रीनलाइन व ऑफसाइन दोनों ही माध्यमी से आर्थित इस धार्यशाला में विभिन्न fewril in fewrence from. विधानी, शोधानी व शिक्षणेतर कर्मचरियो सहित नगर शतका कार्यानायन गरियति के ग्रहाय भी central office sity of that yand

### NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: Aaj Samaj Date: 03-05-2022

### कार्यशाला

### हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

### के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगद्ध। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचर-प्रसार हेनु मिलकर प्रपास करें। अरज वदि हम चीन, जर्मनी, इजगहल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

आज के समय में तकनीकी के सहारे वह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम बोहें, से ही प्रवास से



अपने लक्ष्यों को प्राप कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालन (हकेबि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के रातभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सल अधियान

समिति ग्रेग हिन्दी टाइपिंग पर केदित - के स्वथ हुई। इसके पक्षात आजादी का कार्यशाला को संबंधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज वका के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीय एवत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरू अंत विश्वविद्यालय के कलगीत



अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालन के कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ बका डॉ. राजीव रावत का

स्थापत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों शोद्याधियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रवीम को बल मिलेगा। कलपति ने

अपने संबोधन में राजधामा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताना और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आये वड्ना होगा। कलंशाला में विषय विशेषत के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपनीय करने का प्रवास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दो हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी क्कनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।